वर्ष : 8 • अंक : 32 • अप्रैल-जून 2022 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

रूपेश कुमार चौहान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।
दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907
Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vsirj.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi****-110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya*-823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747
www.vsirj.com

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-कार्य, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)
- **डॉ. कुमारी शुभ्रा**
(प्रख्यात लेखिका एवं साहित्यकार, दिल्ली)
- **डॉ. लालजी**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

संरक्षक :

प्रो. मदन मोहन अग्रवाल

पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार

प्रो. राजवीर शर्मा

पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग,
आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय ..... *viii*

भारत के सामाजिक सुधार में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका 1
मीना चरांदा

सोशल मीडिया और उसके माध्यम 4
डॉ. मुन्नी चौधरी / डॉ. अनिरुद्ध कुमार सुधांशु

हरिशंकर परसाई के व्यंग्य रचनाओं में वर्णित समसामयिक समस्याएँ 12
डॉ. नेहा कुमारी

हिन्दी आलोचना और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 16
लक्ष्मी नारायण

निराला के काव्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ ... 19
डॉ. राम किशोर यादव

आलोचना का स्त्री परिप्रेक्ष्य 26
डॉ. पूनम कुमारी

प्राचीन भारत में गुप्तचर व्यवस्था 30
डॉ. संजीव कुमार

हिंदी कथा साहित्य की अद्यतन प्रवृत्तियाँ - एक विश्लेषण 39
विनिता कुमारी

दलित आत्मकथा 'दोहरा अभिशाप' में चित्रित अस्पृश्यता 44
कृष्ण कुमार

हिन्दी भाषा और सोशल मीडिया का अन्तःसंबंध .. 49
कविता

चिरपुरातन और आधुनिक भारतीय समाज के नीति निर्माण में महिलाओं की भूमिकाः महर्षि दयानंद सरस्वती के परिपेक्ष्य में 52
मणि प्रभा

भारवि कालीन भारत 57
यशवन्ती

परिभाषेन्दुशेखरपरिभाषासङ्ग्रयोर्दिशा ''व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तिर्न हि सन्देहादलक्षणम्'' इति परिभाषाविचारः 64
रवि शंकर द्विवेदी

लोकतन्त्र में नारी 67
दीपिका त्रिपाठी

योगदर्शन में चिति, चेतस् और चित्तवृत्ति की अवधारणाएं 70
डॉ. माधव गोपाल

कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ और समाधान 74
डॉ. दीपा मलिक

कहानियों में दलित-अस्मिता 78
राजेश राव

आपातकाल की पृष्ठभूमि व बालासाहब देवरस के नेतृत्व में संघ का सत्याग्रह 82
रामअवतार / डॉ. लोकेश कुमार शर्मा / प्रो. संजीव कुमार तिवारी

प्रेम एवं प्रकृति के अनूठे कवि केदार 89
डॉ. शहाबुद्दीन

वेदों में अभिव्यक्त पर्यावरण 99
प्रो. ब्रजेश कुमार पाण्डेय

अज्ञेय की कहानियाँ और पूर्वोत्तर भारत 103
मोहिनी पाण्डेय

स्त्रीत्व का नया गढंत : पुनर्नवा 107
अरविन्द कुमार सम्बल

ग्राम स्वराज की संकल्पना व उसकी विशेषता : एक सैद्धांतिक अवलोकन 113
जय कुमार

भगवद्गीता में अर्जुनविषादयोग 119
सतीश कुमार मिश्र

हिन्दी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति 123
वर्षा शर्मा

पालि साहित्य की एकमात्र काव्यशास्त्रीय रचना के रूप में सुबोधालंकार की कुछ प्रमुख स्थापनाओं का मूल्यांकन 126
डॉ. सुस्मिता

अज्ञेय की कहानियां : एक मनोवैज्ञानिक विश्लेषण ... 131
डॉ. सत्यदेव प्रसाद

रामायणीय चरित्रों के जनजातीयत्व का निर्णय एवम् उनके व्यक्तित्व का उद्घाटन 139
डा. टेकचन्द मीणा

मतिराम के काव्य में गार्हस्थ्य का चित्रण 146
ललिता शर्मा

हिंदी उपन्यासों की विकास यात्रा में लोकप्रिय तत्वों का योगदान **153**
सोनी भास्कर
सामाजिक, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में 'देश की हत्या' के पात्रों का अध्ययन **158**
डॉ. भारत पवार
हिंदी के कुछ बाल उपन्यासों का परिचय **162**
डॉ. मनीष कनौजिया
परमाणु सिद्धान्त : वैदिक दर्शन के आलोक में **165**
डॉ. हरेती लाल मीना
कैसी आगी लगाई : यथार्थ-बोध के विविध आयाम **168**
हृदय कुमार
भक्तिकाव्य एवं जनभाषा आन्दोलन **175**
आशु मिश्रा
मिथिलेश्वर के उपन्यासों में अभिव्यक्त वर्ग-संघर्ष **180**
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
अमरकांत के उपन्यासों में अभिव्यक्ति नारी-जीवन का यथार्थ **184**
डॉ. धर्मा रावत

सम्पादकीय

वाक् सुधा अप्रैल-जून 2022 अंक के कवर पेज से आप सभी निश्चित रूप से आह्लादित हुए होंगे। यह प्रतिमा 216 फीट की है और दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा है। यह प्रतिमा पांच धातुओं–सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता के मिश्रण से बनी है। इस प्रतिमा का नाम स्टैचू ऑफ इक्वलिटी अर्थात् समानता की प्रतिमा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 फरवरी 2022 को इसका अनावरण किया। यह प्रतिमा रामानुजाचार्य (1017 ई.–1137 ई.) की है। हम सभी जानते हैं कि रामानुजाचार्य विशिष्टाद्वैतवाद के प्रख्यात आचार्य हुए। उनका जन्म तमिलनाडु के पेरुम्बदूर में हुआ था। उन्होंने यादव प्रकाश और यमुनाचार्य से शिक्षा ग्रहण किया। सर्वप्रथम उन्होंने ही दार्शनिक और बौद्धिक आधार पर वैष्णव धर्म को महिमामंडित करके उसको लोकप्रिय बनाया। रामानुजाचार्य का सम्प्रदाय 'श्रीसम्प्रदाय' के नाम से जाना जाता है। गौरतलब है कि वैष्णव आचार्यों ने अलग-अलग सम्प्रदायों की स्थापना की थी, जिसमें मध्वाचार्य द्वारा स्थापित ब्रह्म सम्प्रदाय, निम्बार्क का हंस सम्प्रदाय, बल्लभ का रुद्र सम्प्रदाय और चैतन्य का गौड़ीय सम्प्रदाय के नाम से जाना जाता है। बहरहाल, यहां मैं कोई गंभीर एवं सैद्धांतिक बात नहीं कर रहा सिर्फ यह बता रहा हूँ कि जैसे आधुनिक भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल का जैसा योगदान है वैसे ही समाज में सामाजिक समरसता, राष्ट्रीयता, लिंग, जाति या पंथ की परवाह किए बिना हर मनुष्य एवं मानवता के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया। रामानुजाचार्य ने समाज में भेदभाव के शिकार लोगों के साथ-साथ उन सभी के लिए मंदिरों के द्वार खोल दिए जिनका उस समय प्रवेश निषेध था। इस तरह कहा जा सकता है कि रामानुजाचार्य ने धार्मिक राष्ट्रवाद से सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांध दिया।

आज के समय में यह बात कल्पनीय लग सकती है कि रामानुजाचार्य ने आज से 1000 साल पहले इस तरह के महनीय कार्य किए। चिन्ना जीयर आश्रम द्वारा जारी एक बयान के अनुसार-हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में 45 एकड़ के कैंपस में या बड़ी मूर्ति स्थापित की गई है। रामानुजाचार्य जिसकी याद में स्टैचू ऑफ इक्विलिटी को स्थापित किया गया है उनके जन्म के 1000 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह किया गया। इस परियोजना की आधाारशिला 2014 में रखी गई। इस प्रतिमा की परिकल्पना श्री रामानुजाचार्य आश्रम के श्री चिन्ना जीयर स्वामी ने की है। जिस तरह केवडिया गुजरात में सरदार सरोवर बांध के करीब सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जिसका उद्घाटन 31 अक्टूबर 2018 को हुआ था उसके बाद से पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है उसी तरह से यह भी देश में पर्यटकों के लिए केन्द्र बनेगा। इस विश्वास के साथ-साथ एक सूचना भी इस सम्पादकीय में देना जरूरी समझता हूं कि वाक् सुधा पब्लिकेशन के द्वारा देश के प्रमुख वैष्णव विद्वान एवं इस पत्रिका के संरक्षक दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष गुरुवर प्रो. मदन मोहन अग्रवाल सर की श्री रामानुजाचार्य पर बहुत ही प्रमाणिक और अद्भुत विद्वतापूर्ण पुस्तक प्रकाशित हुई है जो अब तक की उत्तर भारत में रामानुजाचार्य पर उपलब्ध सभी पुस्तकों में खास है। समय निकाल कर उस पुस्तक को भी देखिए। अपना स्नेह इसी तरह वाक् सुधा प्रकाशन समूह से बनाएं रखिए। सुन्दर और भावपूर्ण आलेख भेजते रहिए।

– **डॉ. राजेश कुमार**
उपसम्पादक